

**सुराजीवी** पुं. (तत्.) शराब बनाने और बेचने का व्यवसाय करने वाला, कलाल, कलवार।

**सुराज्य** पुं. (तत्.) 1. उत्तम राज्य, अच्छा राज्य  
2. वह राज्य जहाँ सुख और शांति छायी हुई हो  
3. जिस राज्य में प्रजा सुखी, संतुष्ट और सुरक्षित हो।

**सुराणि** स्त्री. (तत्.) देवताओं या सुरों की माता अदिति।

**सुराति/सुराती** स्त्री. (तत्.) 1. चंद्रमा और तारों से युक्त रात्रि 2. सुंदर रात्रि।

**सुराथी** स्त्री. (देश.) अनाज के दाने निकालने के लिए बालियाँ पीटने का लकड़ी का डंडा।

**सुराद्रि** पुं. (तत्.) सुमेरु पर्वत।

**सुराधा** वि. (तत्.) 1. उत्तम दान देने वाला, बहुत बड़ा दाता या दानी 2. उदार मन वाला 3. धनी पुं. एक ऋषि का नाम।

**सुराधानी** स्त्री. (तत्.) वह छोटा घड़ा जिसमें मदिरा या शराब रखी जाती है, शराब रखने की छोटी गगरी।

**सुराधिप** पुं. (तत्.) 1. देवताओं में सबसे प्रमुख देवता 2. विष्णु 3. शिव, महादेव 4. ब्रह्मा 5. देवताओं के राजा इंद्र।

**सुराधीश** पुं. (तत्.) 'सुराधिप'।

**सुराध्यक्ष** पुं. (तत्.) 1. ब्रह्मा 2. विष्णु 3. श्री कृष्ण, शिव 5. इंद्र।

**सुराध्वज** पुं. (तत्.) मद्यपात्र का वह चिह्न जो प्राचीनकाल में मद्यपान करने वालों के मस्तक पर लोहे से दागकर बनाया जाता था।

**सुरानक** पुं. (तत्.) देवताओं का नगाड़ा।

**सुरानीक** पुं. (तत्.) देवताओं की सेना।

**सुरापगा** स्त्री. (तत्.) 1. आकाशगंगा 2. देवनदी 3. गंगा।

**सुरापात्र** पुं. (तत्.) शराब रखने अथवा पीने का पात्र, मद्य पात्र।

**सुरापान** पुं. (तत्.) शराब पीना, मद्यपान।

**सुरापी** वि. (तत्.) शराबी, मद्यप उदा. दास न पापी सुरापी तपी अरु जापी हितु अहितु बिलगाई।

**सुरापीत** वि. (तत्.) जिसने मदिरापान किया हो या जिसने शराब पी रखी हो।

**सुराब्धि** पुं. (तत्.) सुरा का सागर या समुद्र।

**सुराभाग** पुं. (तत्.) शराब की माँड।

**सुरामंड** पुं. (तत्.) दे. सुराभाग।

**सुरामुख** पुं. (तत्.) 1. जिसके मुँह में शराब या मदिरा हो 2. एक नरकासुर का नाम।

**सुरामेह** पुं. (तत्.) वैद्यक के अनुसार प्रमेह रोग का एक भेद, इसमें रोगी को शराब के रंग जैसा पीला पेशाब आता है, कुछ का मानना है कि रोगी को मटमैला या लाली लिए हुए पेशाब भी आता है।

**सुरामेही** वि. (तत्.) सुरामेह रोग से पीड़ित या जिसे सुरामेह रोग हुआ हो।

**सुराय** पुं. (तत्.+देश.) अच्छा राजा, सुनृप, सुराजा। उदा. बंहु भांति' पूजी सुराय'।

**सुराय** वि. (तत्.) 1. सुरा, शराब या मद्यपान करने वाला, शराबी, मद्यप 2. बुद्धिमान।

**सुरायुध** पुं. (तत्.) सुर या देवताओं द्वारा प्रयोग में लाया जाने वाला।

**सुरारि** पुं. (तत्.) 1. देवताओं के शत्रु दानव या राक्षस 2. असुर, दैत्य या राक्षस।

**सुरार्चन** पुं. (तत्.) देवताओं का पूजन-अर्चन, देवाराधन।

**सुरार्दन** पुं. (तत्.) 1. सुर या देवताओं को पीड़ित करने वाले 2. दैत्य, असुर, राक्षस।

**सुरार्ह** पुं. (तत्.) 1. स्वर्ग, सोना 2. हरिचंदन 3. कुंकुमगारु चंदन।

**सुराल** पुं. (देश.) एक विशेष प्रकार की लता जिसकी जड़ बिलाई कंद कहलाती है, यह लाल रंग की होती है।